

REACH Lilly MDR-TB Partnership

Media Fellowship Programme

2011-12 FELLOW: **ABHAY KUMAR NEMA**



Abhay Kumar Nema is a Hindi print journalist working at Naidunia and based in Indore, Madhya Pradesh. In a career spanning 15 years, he has written on social, political and economic issues, particularly health. His repertoire of work includes a short biography on Lenin, and over 100 news and opinion pieces.

“Ramnaresh (name changed) works as a barber in the Moosakhedi area of Indore. He has tested positive for MDR TB. The TB health workers are repeatedly requesting him to get admitted in the hospital to start the treatment but he refuses... This is the reaction of MDR TB patients of Bangi town who are scared of the social ostracism. Instead of undergoing DOTS Plus treatment, they are hiding the disease or taking medicines on their own which is extremely dangerous for the family and society.”

एमडीआर टीबी से पीड़ित करत हैं इलाज की उपेक्षा

इस गली में दिखना भी मत...

टीबी स्वास्थ्य कार्यकर्ता को सुननी पड़ती हैं झिड़कियाँ

केस-1 बड़ा बाजार के एक छोटे से दुकान में एक महिला है, जिसे माटी दुब दिखने लगी है, डॉक्टरों ने बताया है कि इसका कारण है टीबी। जब तक डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है, तो वह अपने काम में बाधा नहीं डालती है।

केस-2 डॉक्टर के मुताबिक डॉक्टर ने बताया है कि टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।

केस-3 मासूमियत नाम की एक छोटी सी दुकान है, जहाँ एक महिला टीबी से पीड़ित है।

केस-4 एक छोटी सी दुकान है, जहाँ एक महिला टीबी से पीड़ित है।

टीबी को लेकर कुछ तथ्य

1. टीबी एक आम बीमारी है।
2. टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।
3. टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।
4. टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।
5. टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।
6. टीबी से पीड़ित लोगों को डॉक्टरों को नहीं बताया जाता कि वह टीबी से पीड़ित है।

